



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITYसं. 195]
No. 195]नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 25, 2007/वैशाख 5, 1929
NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 25, 2007/VAISAKHA 5, 1929वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

(बीमा प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 2007

सा.का.नि. 304(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम के सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह में चयन की रीति, सेवा के निबंधनों और शर्तों तथा भत्ते के संदाय का विनियमन करने को निम्नलिखित नियम बनाती है :—

1. **संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ** :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम, भारतीय जीवन बीमा निगम, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह (चयन, सेवा के निबंधन एवं शर्तें तथा भत्ते का संदाय) नियम, 2007 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. **लागू होना** :—ये नियम, केवल भारत में निगम के पूर्णकालिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए लागू होंगे।

3. **परिभाषाएं** :—इन नियमों में, जब तक की संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) अधिनियम से, “जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956” (1956 का 31) अभिप्रेत है।

(ख) “सक्षम प्राधिकारी” से निगम का अध्यक्ष अभिप्रेत है।

(ग) “समिति” से अध्यक्ष द्वारा गठित की गई समिति अभिप्रेत है।

(घ) “कर्मचारी” से भारतीय जीवन बीमा निगम का कोई कर्मचारी अभिप्रेत है, जिसमें ऐसा कोई व्यक्ति, जो अधिनियम के अधीन नियत दिन को निगम का कर्मचारी बना है, सम्मिलित है।

(ङ) “कर्मचारी नियम” से, भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) विनियम, 1960 अभिप्रेत है।

(च) “निगम” से, भारतीय जीवन बीमा निगम अभिप्रेत है।

उन सभी शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) विनियम, 1960; भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग I अधिकारी

(सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम 1985; भारतीय जीवन बीमा निगम, वर्ग-III, वर्ग-IV कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985; भारतीय जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 अथवा बीमा अधिनियम, 1938 अथवा बीमा नियम, 1939 अथवा जीवन बीमा निगम विनियम, 1959 में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे, जो यथास्थिति अधिनियमों या नियमों या विनियमों में हैं।

4. सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह की संरचना : यह समूह, विकासको (डेवलपर्स), कारबार पद्धति विश्लेषको (बिजिनेस सिस्टम एनालिस्ट्स) और परियोजना प्रमुखों (प्रोजेक्ट लीडर्स) के पदानुक्रम के आरोही क्रम से बनेगा। कर्मचारी, केन्द्रीय कार्यालय के साफ्टवेयर विकास केन्द्र (साफ्टवेयर डेवलपमेंट सेन्टर), केन्द्रीय कार्यालय की केन्द्रीयकृत परियोजनाओं तथा अन्य अभिहित केन्द्रों में जहाँ साफ्टवेयर विकास परियोजना टीमें वर्तमान में अब स्थित हैं या भविष्य में स्थित होंगी, तैनात किए जाएंगे।

5. पात्रता : उच्च श्रेणी सहायक तथा उपरी संवर्ग के स्थायी कर्मचारी निम्नलिखित पदों के लिए पृष्ठ की जाती है :-

	कर्मचारियों का संवर्ग	कौन से पद के लिए पात्र है
(i)	उच्च श्रेणी सहायक (उ.श्रे.स), सहायक प्रशासनिक अधिकारी (स.प्र.अ.), प्रशासनिक अधिकारी (प्र.अ.)	विकासक
(ii)	प्रशासनिक अधिकारी * तथा सहायक मंडल प्रबन्धक (सं.मं.प्र.) * केवल वे ही प्रशासनिक अधिकारी पात्र होंगे, जिन्होंने विकासक के रूप में तीन वर्ष पूर्ण किए हों	कारबार पद्धति विश्लेषक
(iii)	सहायक मंडल प्रबन्धक ** तथा उच्चतर ** केवल वे ही सहायक मंडल प्रबन्धक पात्र होंगे, जिन्होंने कारबार पद्धति विश्लेषक (बिजिनेस सिस्टम एनालिस्ट्स) के रूप में तीन वर्ष पूर्ण किए हों	परियोजना प्रमुख

6. चयन प्रक्रिया (i) केन्द्रीय कार्यालय साफ्टवेयर विकास केन्द्र तथा केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के विद्यमान विकासक, कारबार पद्धति विश्लेषक तथा परियोजना प्रमुख के रूप में कार्यरत कर्मचारियों का चयन, कार्याभिलेख तथा साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा।

(ii) अन्य पदधारियों का चयन उनकी योग्यता एवम् तकनीकी ज्ञान को निश्चित रूप से जानने के लिए उनके कार्याभिलेख, लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा ।

7. चयन की शर्तें : (1) इन नियमों के आधीन चयनित पदधारी को, निगम के साथ, न्यूनतम पांच वर्ष की अवधि के लिए निगम की सेवा में रहने का वचन देते हुए एक करार निष्पादित करना होगा । यदि वह बंधपत्र अवधि की समाप्ति से पूर्व निगम की सेवाएं त्याग देता है/देती है तो वह निगम को परिनिर्धारित नुकसानी के रूप में पाँच लाख रुपये के संदाय का दायी होगा/ होगी । यदि पदधारी, बंधपत्र की अवधि के कुछ भाग तक निगम की सेवा में रहता है, तो भी परिनिर्धारित नुकसानों की राशि को उस अनुपात में घटाया नहीं जाएगा ।

(2). परिनिर्धारित नुकसान की वसूली के अतिरिक्त, निगम, जो बंधपत्र की अवधि की समाप्ति के पूर्व उसकी सेवा त्याग रहे है, उनसे उस सम्पूर्ण राशि की वसूली करेगा, जो उन्हें यदि कोई प्रशिक्षण दिया गया हो, उस पर व्यय की गई हो ।

(3) वसूल की जाने वाली राशि के निर्धारित तथा विवेचित किए जाने के पश्चात्, अधिकतम दो माह की अवधि तक उसका भुगतान न किए जाने की स्थिति में, निगम बैंक की प्रचलित दर से ब्याज प्रभारित कर सकेगा । बंधपत्र की अवधि की समाप्ति से पूर्व निगम की सेवा का त्याग करने वाले पदधारी को देय अधिवार्षिता की राशि से, वसूली की राशि को समायोजित करने का अधिकार निगम को होगा ।

8. सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों के पदनाम : (1) उपरोक्त नियम 6 के संबंध में, विकासक, कारबार पद्धति विश्लेषक, परियोजना प्रमुख के पद का चयन, परीक्षा/साक्षात्कार में प्रदर्शन तथा कार्यकारी निदेशक (कार्मिक), कार्यकारी निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी/कारबार प्रक्रिया पुनर्धियांत्रिकी) तथा अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट किसी अन्य व्यक्ति (व्यक्तियों) से मिलकर बनी समितियों की सिफारिशों पर आधारित होगा ।

(2) वे प्रशासनिक अधिकारी तथा सहायक मंडल प्रबन्धक, जो पहले से ही सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह के सदस्य है तथा उपरोक्त नियम 5 के अनुसार कमशः कारोबार पद्धति विश्लेषक और परियोजना प्रमुख के पदों पर चयन के लिए पात्र है, का चयन सक्षम प्राधिकारी या उसके द्वारा प्रत्यायोजित किसी प्राधिकारी द्वारा साक्षात्कार तथा उपरोक्त समिति की सिफारिश के आधार पर किया जाएगा ।

(3) उन कर्मचारियों, जिनका उपरोक्तानुसार उन्नत पद के लिए चयन नहीं किया गया है, उनके मामलों पर अर्धवार्षिक आधार पर ठीक उसी प्रक्रिया द्वारा चयन के लिए पुनर्विचार किया जाएगा ।

9. भत्ते का संदाय : (1) संवर्ग को लागू वेतन तथा अन्य लाभों के अतिरिक्त, चयनित कार्मिक को, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह में कार्यग्रहण करने पर और उसके वहाँ रहने की अवधि तक, निम्नानुसार निर्धारित भत्ते का संदाय किया जाएगा, जिसकी गणना, किसी प्रयोजन के लिए मूल वेतन के रूप में नहीं की जाएगी :

(i) विकासक	रु० 10,000/- प्रति मास
(ii) कारबार पद्धति विश्लेषक	रु० 15,000/- प्रति मास
(iii) परियोजना प्रमुख	रु० 20,000/- प्रति मास

(2) उपरोक्त विनिर्दिष्ट भत्ते का संदाय, कर्मचारी के संबंधित पद पर, पदग्रहण की तारीख से लागू होगा । तथापि उपरोक्त समूह में नव-चयनित कार्मिक को प्रथम छह मास तक भत्ते का संदाय नहीं किया जाएगा । छह महीने की समाप्ति पर उसके कार्यनिष्पादन की समीक्षा की जाएगी और संतोषजनक पाए जाने पर उसके समूह में कार्यग्रहण करने की तिथि से भत्ता मंजूर किया जाएगा ।

(3) यथास्थिति रुपये 400/-प्रतिमास या रुपये 500/- प्रतिमास का कृत्यिक भत्ता, जो उच्च श्रेणी सहायक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी या सहायक मंडल प्रबंधक के वेतनमान में पदस्थापित उच्च श्रेणी सहायक (प्रोग्रामर)/प्रोग्रामरों या पद्धति विश्लेषकों (सिस्टम एनालिस्ट्स) या प्रोग्रामर - सह पद्धति विश्लेषकों, को उनके सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह में कार्यग्रहण करने पर संदेय नहीं होगा ।

(4) किसी अवस्था पर सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह में से तैनात किए गए वे कर्मचारी, जो यदि उच्च श्रेणी सहायक, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी या सहायक मंडल प्रबंधक के वेतनमान में उच्च श्रेणी सहायक (प्रोग्रामर)/प्रोग्रामरों या पद्धति विश्लेषकों या प्रोग्रामर सह-पद्धति विश्लेषकों के पदों पर लागू कृत्यिक भत्ते के हकदार हैं तो उस तारीख से समान कृत्यिक भत्ते प्राप्त करने के पात्र होंगे, जिस तारीख से उन्होंने उस विभाग में कार्यग्रहण कर लिया हो, जिसमें कि वे स्थानांतरित किए गए हों ।

(5) जिस कर्मचारी/ अधिकारी ने भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) विनियम, 1960 अथवा भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम 1995 के अधीन

त्यागपत्र या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की सूचना दी है, उसे यह भत्ता, ऐसी सूचना की तारीख से, संदेय नहीं होगा। तथापि इस संबंध में नियमों के अधीन रहते हुए, यदि ऐसे कर्मचारी/अधिकारी को त्यागपत्र या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति सूचना वापस लिए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है, तो ऐसे कर्मचारी को इस भत्ते का संदाय, यदि संदेय है तो उसी प्रकार किया जा सकेगा मानो ऐसी सूचना बिल्कुल नहीं दी गई हो।

10. **पुनर्विलोकन प्रक्रिया :** (1) इस पद में भत्ते का जारी रखा जाना, कार्यनिष्पादन के अर्धवार्षिक पुनर्विलोकन तथा समिति की सिफारिशों पर आधारित होगा। ऐसे पुनर्विलोकन पर यदि कर्मचारी, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह में बने रहने का पात्र नहीं पाया जाता है, तो उसे सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह में से तैनात किए जाने की तारीख से भत्ते का संदाय रोक दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, लागू होने के अध्याधीन रहते हुए ऐसे कर्मचारी नियम 9 के उप-नियम 4 से शासित होंगे।
(2) अध्यक्ष अथवा किसी ऐसे प्राधिकारी, जिसे अध्यक्ष द्वारा ऐसी शक्तियाँ प्रत्यायोजित हैं, के द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह में कार्यरत चयनित कर्मचारी को समूह से बाहर पदस्थापित किया जा सकेगा।
11. जहाँ, अध्यक्ष की राय में, ऐसा करना आवश्यक अथवा समीचीन हो, वहाँ वह आदेश द्वारा तथा कारणों को लिखित रूप में अभिलिखित करते हुए, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से, किसी वर्ग अथवा प्रवर्ग के व्यक्तियों के संबंध में इन नियमों के किसी उपबन्ध शिथिल कर सकेगा।
12. **अनुदेशों को जारी करने की शक्ति :-** केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन पर, अध्यक्ष, समय-समय पर, आवश्यकतानुसार, इन नियमों के उपबंधों को प्रभावी तथा कार्यान्वित करने के लिए अनुदेश जारी कर सकेंगे।
13. **निर्वचन :** जहाँ 'इन अनुदेशों' के निर्वचन में कोई शंका अथवा कठिनाई उद्भूत होती है वहाँ उसे केन्द्रीय सरकार के पास उसके विनिश्चय के लिए निर्दिष्ट किया जाएगा।

[फा. सं. एस-11012/03/2007/बीमा-III]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव (बैंकिंग तथा बीमा)

2207 CI/07-2

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

(INSURANCE DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April, 2007

G.S.R. 304(E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules regulating method of selection, terms and conditions of service and Payment of Allowance of Information Technology Specialist Group of the Life Insurance Corporation of India, namely :—

1. Short title and commencement. — (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Information Technology Specialist Group (Selection, terms and conditions of service and payment of Allowance) Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application. - These rules shall apply to the whole-time salaried employees of the Corporation in India only.

3. Definitions. - In these rules, unless the context otherwise requires, -

- (a) "Act" means the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956);
- (b) "Competent authority" means the Chairman of the Corporation;
- (c) "Committee" means the committee formed by the Chairman.
- (d) "Employee" means an employee of the Life Insurance Corporation of India and includes any person who became an employee of the Corporation on the appointed day under the Act;
- (e) "Staff Rules" means the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulation, 1960;
- (f) "The Corporation" means the Life Insurance Corporation of India.

All words and expressions used herein and not defined but defined in the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960, Life Insurance Corporation of India, Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, Life Insurance Corporation of India, Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, Life Insurance Corporation Act, 1956

or the Insurance Act, 1938 or the Insurance Rules, 1939 or the Life Insurance Corporation Regulations, 1959 shall have respectively the meanings assigned to them in those Acts or Rules or Regulations, as the case may be.

4. Structure of the Information Technology Specialist Group. - The Group, in ascending order of hierarchy, shall consist of Developers, Business System Analysts and Project Leaders. The employees shall be posted at Software Development Center at Central Office, Centralized Projects at Central Office and at other designated centers where Software Development Project teams are located now or in future.

5. Eligibility. - Confirmed employees in the cadre of Higher Grade Assistant and above will be eligible for the following posts:

Employees in the Cadre of	Eligible for the post of
---------------------------	--------------------------

- | | |
|---|-------------------------|
| (i) Higher Grade Assistant (HGA),
Assistant Administrative Officer (AAO),
Administrative Officer (AO) | Developer |
| (ii) Administrative Officer* and
Assistant Divisional Manager (ADM) | Business System Analyst |

*Only those Administrative Officers are eligible who have completed three years as Developer.

- | | |
|---|----------------|
| (iii) Assistant Divisional Manager.** and above | Project Leader |
|---|----------------|

**Only those Assistant Divisional Managers are eligible who have completed three years as Business System Analyst.

6. Selection Procedure. - (1) The selection for the officials who are working as Developer, Business system Analyst and Project leader in Central office software Development center, centralized information Technology projects shall be made based on their work record and interview.

(2) The selection for the other officials shall be made based on their work record, written test and interview to ascertain the aptitude and domain of technical knowledge.

7. Conditions of Selection. - (1) An official selected under these rules shall be required to execute an agreement with the Corporation, undertaking to serve the Corporation for a minimum period of five years. If he/she leaves the services of the Corporation before the expiry of the bond period, he/she shall be liable to pay an amount of liquidated damages of Rupees five lakhs. The amount of liquidated damages will not be reduced proportionately, even if the official have served the Corporation for a part of the bond period.

(2) In addition to recovery of liquidated damages, the Corporation will also recover from those leaving its service before completion of the bond period, the entire amount of expenses on training given to them, if any.

(3) After the amount of recovery has been determined and advised, the Corporation may charge interest at the ruling bank rate, in case the payment is not made within a maximum period of two months. The Corporation will have the right to adjust the recovery against the amount of superannuation dues payable to the officer leaving its service before the expiry of the bond period.

8. Designation of Information Technologist Specialists. – (1) In respect of rule 6 above, the selection to the post of Developer, Business System Analyst, Project Leader shall be based on the performance in the Test/Interview and recommendations of the Committee consisting of Executive Director (Personnel), Executive Director (Information Technology/Business Process Re-engineering) and any other person(s) nominated by the chairman.

(2) In respect of those Administrative Officers and Assistant Divisional Managers who are already members of information technology specialist Group and eligible for the selection to the post of Business System Analyst and Project Leader, respectively, as per rule 5 above, shall be so selected by the Competent Authority or any authority delegated by him on the basis of Interview and recommendation of the above Committee.

(3) The cases of employees not selected as above for the elevated post will be reconsidered for selection through the same mechanism on half-yearly basis.

9. Payment of allowance. – (1) In addition to the salary and other benefits applicable to the cadre, the selected personnel on joining the Information Technology Specialist Group and till the period he remains there, shall be paid a fixed allowance as under, which shall not count as basic pay for any purpose:

(i) Developer	- Rs.10, 000/- per month
(ii) Business System Analysts (BSAs)	- Rs.15, 000/- per month
(iii) Project Leader	- Rs.20, 000/- per month

(2) Payment of allowance as specified above will be applicable from the date the employee takes over charge in the concerned post. However, newly selected personnel in the above Group shall not be paid the allowance for the first six months. His/her performance will be reviewed at the end of six months and if found satisfactory, allowance shall be sanctioned from the date of joining the Group.

(3) The functional allowance of Rs.400/- p.m. or Rs.500/-p.m., as the case may be, drawn by Higher Grade Assistant (Programmer) /Programmers or System Analysts or Programmers-cum-System Analysts in the scale of pay of Higher Grade Assistant, Assistant Administrative Officer, Administrative Officer or Assistant Divisional Manager shall not be payable on their joining the Information Technology Specialists Group.

(4) Those employees who are posted out of Information Technology Specialist Group at some stage, if entitled for Functional Allowance applicable to the posts of Higher Grade Assistant (Programmer)/ Programmers or System Analysts or Programmers-cum-System Analysts in the scale of pay of Assistant Administrative Officer Administrative Officer or Assistant Divisional Manager shall start drawing the same from the date of their joining the department to which he/she is transferred.

(5) The allowance shall cease to be payable to an employee /officer who has given a notice of resignation or voluntary retirement under the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960 or the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995, from the date of such notice. However, subject to the rules in this regard if such an employee/ officer is allowed to withdraw the notice of resignation or voluntary retirement, the allowance may be paid, if otherwise payable, to such an employee as if the notice was not given at all.

10. Review Mechanism. - (1) The continuation of the allowance in the post will be based on the half-yearly review of the performance and the recommendation of the Committee. In case of employees not found eligible for continuing in the Information Technology Specialist Group on such review, the payment of allowance shall cease from the date, the employee is posted out of Information Technology Specialist Group. Further, subject to the applicability, such employees shall be governed as per sub-rule (4) of rule 9.

(2) The selected employee working in the Information Technology Specialist Group may be posted outside the said Group by the Chairman or any authority to whom such powers are delegated by the Chairman.

11. Where the Chairman is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, he may, with the approval of the Central Government, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or categories of persons.

12. Power to issue instructions. - The Chairman with the approval of the Central Government may, from time to time issue such instructions as may be necessary to give effect to and carry out the provisions of these rules.

13. Interpretation. - Where any doubt or difficulty arises as to the interpretation of these instructions, it shall be referred to the Central Government for its decision.

[F.No. S-11012/03/2007-Ins. III]

G.C. CHATURVEDI, Jt. Secy. (Banking and Insurance)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 2007

सा.का.नि. 305(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 के उप-खण्ड (2) के खण्ड (गग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम, श्रेणी I अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ :-

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम, भारतीय जीवन बीमा निगम, वर्ग 1 अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 2007 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2207 GI/07-3

2. भारतीय जीवन बीमा निगम श्रेणी I अधिकारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 7 ग में निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

परंतु ऐसे प्रोग्रामर या पद्धति विश्लेषक या प्रोग्रामर सहपद्धति विश्लेषक, जो सहायक प्रशासनिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी या सहायक प्रभागीय प्रबंधक के वेतनमान में तथा 'भारतीय जीवन बीमा निगम, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह (चयन, सेवा के निबंधन एवं शर्तें तथा भत्ते का संदाय नियम, 2007' की शर्तों से शासित है, वे किसी प्रकार के कृत्यिक भत्ते के लिए हकदार नहीं होंगे।

[फा. सं. एस-11012/03/2007/बीमा-III]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव (बैंकिंग तथा बीमा)

टिप्पण :

मूल नियम सा.का.नि.सं.794 (अ) तारीख 11 अक्टूबर, 1985 द्वारा प्रकाशित किये गये थे और तत्पश्चात् सा. का.नि.सं.960 (अ) तारीख 7 दिसंबर, 1987 सा.का.नि.सं. 493 (अ) तारीख 22 अप्रैल, 1988, सा.का.नि.सं. 872(अ) तारीख 22 अगस्त, 1988, सा.का.नि.सं. 711 (अ) तारीख 25 जुलाई, 1989, सा.का.नि.सं.816(अ) तारीख 11 अक्टूबर, 1990 सा.का.नि.सं. 324 (अ) तारीख 10 मार्च, 1992, सा.का.नि.सं. 53 (अ) तारीख 2 फरवरी, 1994 सा.का.नि.सं 597 (अ) तारीख 30 जून, 1995, सा.का.नि.सं. 94 (अ) तारीख 16 फरवरी, 1996 सा.का.नि.सं. 286 (अ) तारीख 18 जुलाई, 1996, सा.का.नि.सं. 530 (अ) तारीख 27 अगस्त, 1998, सा.का.नि. स. 612 (अ) 30 अगस्त, 1999, सा.का.नि.सं.550 (अ) तारीख 22 जून, 2000 सा.का.नि.सं. 287 (अ) तारीख 27 अप्रैल, 2004 और सा.का.नि.सं. 559 (अ) तारीख 5 सितम्बर, 2005 द्वारा संशोधित किये गये थे।

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April, 2007

G.S.R. 305(E).—In exercise of the powers conferred by clause (cc) of Sub-section (2) of Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India, Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short title, and commencement. - (i) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class-I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Life Insurance Corporation of India Class I Officers (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, in rule 7C, the following proviso shall be inserted, namely: -

Provided that the Programmers or System Analysts or Programmers-cum-System Analysts in the scale of pay of Assistant Administrative Officer, Administrative Officer or Assistant Divisional Manager governed by the provisions of the Life Insurance Corporation of India, Information Technology

Specialist Group (selection terms and conditions of service and payment of Allowance) Rules, 2007, shall not be entitled to any Functional Allowance."

[F. No. S-11012/03/2007-Ins. III]

G.C. CHATURVEDI, Jt. Secy. (Banking and Insurance)

Note:- The principal rules were published vide G.S.R.No.794(E) dated the 11th October, 1985 and subsequently amended vide G.S.R.No.960(E) dated the 7th December, 1987, G.S.R.No.493(E) dated the 22nd April, 1988, G.S.R.No.872(E) dated the 22nd August, 1988, G.S.R.No.711(E) dated the 25th July, 1989, G.S.R.No.816(E) dated the 11th October, 1990, G.S.R.No.324(E) dated the 10th March, 1992, G.S.R.No.53(E) dated the 2nd February, 1994, G.S.R.No.597(E) dated the 30th June, 1995, G.S.R.No.94(E) dated the 16th February, 1996, G.S.R.No.286(E) dated the 18th July, 1996, G.S.R.No.530(E) dated the 27th August, 1998, G.S.R.No.612(E) dated the 30th August, 1999 and G.S.R.No.550 (E) dated the 22nd June, 2000, G.S.R.No.287(E) dated 27th April, 2004 and G.S.R.No.559(E) dated 5th September, 2005.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 2007

सा.का.नि. 306(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 के उप-खण्ड (2) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम, वर्ग-III, वर्ग-IV कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ :-

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग-III और वर्ग -IV कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 2007 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे ।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग-III और वर्ग -IV कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 4 के उपनियम (3) के खण्ड (ग) के प्रथम परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

परंतु यह और कि ऐसे प्रोग्रामर जो उच्च श्रेणी सहायकों के वेतनमान में है तथा 'भारतीय जीवन बीमा निगम, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ समूह (चयन, सेवा के निबंधन एवं शर्तें तथा भत्ते का संदाय नियम, 2007 की शर्तों से शासित है, वे किसी प्रकार के कृत्यिक भत्ते के लिए हकदार नहीं होंगे ।

[फा. सं. एस-11012/03/2007/बीमा-III]

जी. सी. चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव (बैंकिंग तथा बीमा)

2207 GI/07-4

पाद टिप्पण :

मूल नियम सा.का.नि.सं.357 (अ) तारीख 11 अप्रैल, 1985 द्वारा प्रकाशित किये गये थे और तत्पश्चात् सा.का. नि.सं.18 (अ) तारीख 7 जनवरी, 1986, सा.का.नि.सं. 1076 (अ) तारीख 11 सितम्बर, 1986, सा.का.नि.सं. 961(अ) तारीख 7 दिसंबर, 1987, सा.का.नि.सं. 870 (अ) एवं 873, (अ) तारीख 22 अगस्त, 1988, सा.का.नि. सं.515(अ) तारीख 12 मई, 1989 सा.का.नि.सं. 509 (अ) तारीख 24 मई, 1990, सा.का.नि.सं. 338 (अ) तारीख 11 जुलाई 1991 सा.का.नि.सं. 697(अ) तारीख 25 नवम्बर, 1991, सा.का.नि.सं. 46, (अ) एवं 47 (अ) तारीख 4 फरवरी, 1993 सा.का.नि.सं. 746 (अ) तारीख 13 दिसंबर, 1993, सा.का.नि.सं. 55 (अ) तारीख 2 फरवरी 1994, सा.का.नि.सं. 595 (अ) 30 जून, 1995, सा.का.नि.सं. 669 (अ) तारीख 27 सितम्बर, 1995 सा. का.नि.सं. 102 (अ) तारीख 22 फरवरी, 1996 और सा.का.नि.सं. 261 (अ) तारीख 22 मई, 1998 सा.का.नि. सं. 532 (अ) तारीख 27 अगस्त, 1998 सा.का.नि.सं. 22 जून, 2000, सा.का.नि.सं. 289 (अ) तारीख 27 अप्रैल, 2004 तथा सा.का.नि.सं. 561(अ) तारीख 5 सितम्बर, 2005 द्वारा संशोधित किये गये थे ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April, 2007

G.S.R. 306(E).—In exercise of the powers conferred by clause (cc) of Sub-section (2) of Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India, Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short title and commencement. — (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 2007.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, in rule 4, in sub-rule (3) in clause (c) after the first proviso the following proviso shall be inserted, namely: -

"Provided further that the, Programmers in the scale of pay of Higher Grade Assistants governed by the provisions of the Life Insurance Corporation of India Information Technology Specialist Group (selection terms and conditions of service and payment of Allowance) Rules, 2007, shall not be entitled to any Functional Allowance."

[F. No. S-11012/03/2007-Ins. III]

G.C. CHATURVEDI, Jt. Secy. (Banking and Insurance)

Foot note : The principal rules were published vide G.S.R.No.357 (E) dated the 11th April, 1985 and subsequently amended vide G.S.R.No.18 (E) dated the 7th January, 1986, G.S.R.No.1076(E) dated the 11th September, 1986, G.S.R.No.961(E) dated the 7th December, 1987, G.S.R.No.870(E) and 873(E) both dated the 22nd August, 1988, G.S.R.No.515(E) dated the 12th May, 1989, G.S.R.No.509(E) dated the 24th May, 1990, G.S.R.No.620(E) dated the 6th July, 1990, G.S.R.No.628(E) dated the 10th July, 1990, G.S.R.No.338(E) dated the 11th July, 1991, G.S.R.No.697(E) dated the 25th November, 1991, G.S.R.No.46(E) and 47(E) both dated the 4th February, 1993, G.S.R.No.746(E) dated the 13th December, 1993, G.S.R.No.55(E) dated the 2nd February, 1994, G.S.R.No.595(E) dated the 30th June, 1995, G.S.R.No.669(E) dated the 27th September, 1995, G.S.R.No.102(E) dated the 22nd February, 1996, G.S.R.No.261(E) dated the 22nd May, 1998, G.S.R.No.532(E) dated the 27th August, 1998, G.S.R.No.445(E) dated the 18th June, 1999, G.S.R.No.611(E) dated the 30th August, 1999, and G.S.R. No. 552(E) dated the 22nd June, 2000, G.S.R.No.289(E) dated 27th April, 2004 and G.S.R. No. 561 (E) dated 5th September, 2005.